Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to develop websites and apps to promote use of generic medicines.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : महोदया, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद।

महोदया, लगातार बढ़ती जनसंख्या के चलते देश में सबको गुणवत्तापूर्ण व सस्ती स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती है। लिहाजा स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण के साथ ही जेनरिक दवाओं का प्रयोग बढ़ाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है।

चूँकि किसी दवा का पेटेंट लेने में एक बड़ी राशि खर्च होती है, इसलिए ब्रांडेड दवाओं का दाम अधिक होता है। बिना पेटेंट के बनाए जाने वाली समान गुणवत्ता की जो दवाएं होती हैं, जिन्हें हम जेनरिक दवाओं के रूप में मानते हैं, वे सस्ती होती हैं, लेकिन उनकी गुणवत्ता और प्रभावशीलता में किसी तरह की कोई कमी नहीं होती है। यही कारण है कि पूरी दुनिया का जो दवाओं का बाजार है, उसमें भारत की जेनरिक दवाओं का हिस्सा 20 प्रतिशत से अधिक है और 100 से अधिक देशों में हमारी दवाएं निर्यात होती हैं। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी 40 प्रतिशत हमारी जेनरिक दवाओं का हिस्सा है। हिन्दुस्तान के दवाओं के बाजार में जेनरिक दवाओं का हिस्सा मात्र सात प्रतिशत है और वह भी अभी हम लोगों के बहुत प्रयास के बाद पहुँचा है।

सरकार द्वारा जेनरिक दवाओं के प्रचार-प्रसार का लगातार प्रयास किया जा रहा है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने अभी 15 जुलाई को उत्तर प्रदेश के सभी जिला चिकित्सालयों में जेनरिक दवाओं के आउटलेट का उदघाटन किया था। परन्तु कम कीमत होने के कारण लोगों को जेनरिक दवाओं के प्रभाव पर लगातार शंकाएं बनी

रहती हैं। जेनरिक दवाओं के प्रभावी प्रयोग हेतु लोगों को अधिक जानकारी उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी और सरकार से माँग करता हूँ कि जेनरिक दवाओं के प्रयोग को बढ़ाने हेतु एक ऐसी वेबसाइट व एप बनाएं, जिन पर ब्रांडेड दवा का नाम डालने के साथ ही उसके साथ जेनरिक विकल्प, जो बाजार में उपलब्ध हैं, उनका नाम आ जाए, उसका दाम आ जाए, ब्रांडेड दवा से उसके दाम का अन्तर और जो निकटतम स्टोर हो, जहाँ वह जेनरिक दवा उपलब्ध हो, उसके बारे में भी सूचना आ जाए तो इससे जेनरिक दवाओं का प्रतिशत पूरे दवा बाजार में बढ़ाने में मदद मिलेगी। जेनरिक दवाओं के माध्यम से सस्ती दवाएं देश की जनता को उपलब्ध कराने का भारत सरकार का जो एक उद्देश्य है, जिस लक्ष्य को हम लोग लेकर चल रहे हैं, वह भी इससे पूरा होगा। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, डॉ. मनोज राजोरिया, श्री हरीश मीना, श्री विनोद कुमार सोनकर, श्री राहुल शेवाले, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और डॉ. कुलमणि सामल को श्री अजय मिश्रा टेनी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।